मैक्सवेल सहित इन बल्लेबाजों के नाम है टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक शतक

मुम्बई

टी20 अंतरराष्ट्रीय, क्रिकेट में अब तक सबसे अधिक शतक लगाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में दो भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं। इस प्रारुप में सबसे अधिक पांच-पांच शतक आस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल और भारत के रोहित शर्मा के नाम हैं। इसके अलावा आस्ट्रिया के करनबीर सिंह और इंग्लैड के फिल साल्ट हैं भी इस सूची में शामिल हैं।

ग्लेन मैक्सवेल : आस्ट्रेलियई आलराउंडर मैक्सवेल ने अब तक 5 बेमिसाल टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाये हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। 130 मैचों की 118 पारियों में उन्होंने 154.42 के शानदार स्ट्राइक रेट से 2897 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 145 रन रहा है, और उन्होंने अपने करियर में 243 चौके और 150 छक्के जड़े हैं, जो उनकी मारक क्षमता को दर्शाता है। रोहित शर्मा : रोहित ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में 5 शानदार शतक लगाए हैं और इस प्रारूप में सर्वाधिक रन (4231) बनाने का रिकार्ड भी उन्हीं के नाम है। साल 2007 के पहले टी20 विश्व कप से अपने सफर की शुरुआत करने वाले रोहित ने 159 मैचों की 151 पारियों में 140.89 के स्ट्राइक रेट से ये रन बनाये हैं। उनके नाम 32 अर्धशतक और नाबाद 121 रन का उच्चतम स्कोर भी है। अपनी बेजोड़ टाइमिंग और ताकत से उन्होंने रिकार्ड 383 चौके और 205 छक्के जड़े हैं, जो उन्हें टी20ई का सबसे सफल बल्लेबाज बनाता हैं हालांकि अब उन्होंने इस प्रारुप से संन्यास ले लिय है। करनबीर सिंह : इस विशिष्ट सूची में तीसरा नाम आस्ट्रिया के करनबीर सिंह का है। एसोसिएट नेशन की ओर से खेलने वाले करबीर ने सिर्फ 60 मैचों की 59 पारियों में 4 शतक लगाकर सबको हैरान किया है। 48.71 की हैरतअंगेज औसत और 175.41 के तूफानी स्ट्राइक रेट से उन्होंने 2533 रन बनाए हैं। करनबीर का सर्वोच्च स्कोर 164 रन है, जो इस सूची में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। फिल साल्ट : चौथे स्थान पर इंग्लैंड के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट हैं। साल 2022 में डेब्यू करने के बाद से साल्ट ने है। 64 मैचों की 59 पारियों में उन्होंने 4 शतक और 10 अर्धशतकों के साथ 164.52 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 1846 रन बनाए हैं। साल्ट का सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 141 रन रहा है, और उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से 186 चौके और 87 छक्के लगाए हैं। सूर्यकुमार यादव : इस इसी में भारत के सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं। साल 2021 में पदार्पण करने के बाद से ही सूर्या ने टी20 क्रिकेट खेलने में अपनी क्षमता दिखायी है। उन्होंने 113 मैचों की 107 पारियों में 4 शतक और 25 अर्धशतकों की मदद से 3272 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 162.94 का रहा है, और उनका सर्वोच्च स्कोर 117 रन है।

न्यूज ब्रीफ

सिनर ने ज्वेरेव को हराकर लगातार दूसरी बार विंबलडन टेनिस खिताब जीता, 30वां एटीपी खिताब जीता

लंदन। इटली के टेनिस स्टार यानिक सिनिर ने लगातार दूसरी बार विम्बलडन 2026 टेनिस खिताब जीता है।

विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर ने खिताबी मुकाबले में जर्मनी के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव को पुरुष एकल में 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर ये खिताब अपने नाम बरकरार रखा है। करीब 3 घंटे 46 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले के साथ ही सिनर ने अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के साथ ही 30वां एटीपी खिताब अपने नमा किया है। इस मुकाबले में ज्वेरेव ने अच्छी शुरुआत करते हुए शुरुआत में सिनर को कड़ी टक्कर दी। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली और किसी को भी ब्रेक अंक नहीं मिला। इसके बाद मुकाबला टाई-ब्रेक में पहुंच गया। यहां ज्वेरेव ने शानदार सर्विस और आक्रामक खेल से पहला सेट जीत लिया। वहीं पहले सेट की हार के बाद भी सिनर ने धैर्य बनाये रखा और दूसरे सेट में उन्होंने टाई-ब्रेक में अच्छा प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को जीत लिया जिससे मुकाबला एक-एक सेट से बराबरी पर आ गया। वहीं तीसरे सेट में ढाई घंटे से अधिक समय तक दोनो के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। ज्वेरेव को मैच का पहला ब्रेक अंक मिला पर सिनर ने अच्छे शाट्स खेलकर अपने का मुकाबले में बनाये रखा। सिनर ने इसके बाद बेहतर प्रदर्शन कर पहला सर्विस ब्रेक हासिल कर लिया। इसके बाद उन्होंने 6-3 से तीसरा सेट जीतकर बढ़त बना ली. वहीं चौथे सेट में ज्वेरेव ने वापसी के प्रयास किये पर विफल रहे। सिनर ने 3-3 की बराबरी के बाद उन्होंने निर्णायक ब्रेक हासिल किया और फिर शानदार सर्विस गेम खेलते हुए मुकाबला जीता।

रमीज ने वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दौरे से पहले कप्तान बदलने पर उठाये सवाल

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट में विवाद बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दौर से पहले एक बार फिर कप्तान बदलने पर पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा ने सवाल उठाये हैं। राजा ने कहा कि ये गलत कदम है, जिस प्रकार से शान मसूद को हटाकर बाबर म को कप्तानी सौंपी गयी है उससे कोई लाभ नहीं होगा। पूर्व में पीसीबी प्रमुख रहे रमीज के अनुसार खराब प्रदर्शन पर केवल कप्तान को बदलने से कुछ नहीं होने वाला। रमीज कहा कि जब किसी कप्तान को लगातार साधारण खिलाड़ियों का समूह दिया जाता है, तो आप बेहतर परिणाम किया प्रकार से मिल सकते हैं। साथ ही पूछा है कि अगर टेस्ट टीम का स्तर अच्छा नहीं है, तो केवल कप्तान क्या कर सकता है रमीज के अनुसार क कप्तान की सफलता पूरी तरह से उसे मिली टीम पर निर्भर करती है। उनका मानना है कि कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितने अच्छे खिलाड़ी उसे दिए जाते हैं। अपने इस बयान से रमीज ने पीपीसी पर करारा तंज किया है। गौरतलब है कि शान ने दिसंबर 2023 से 16 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की थी। इसमें टीम को 12 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। आंकड़ों के लिहाज से यह प्रदर्शन अच्छा नहीं है पर रमीज का कहना है कि इस प्रदर्शन के लिए पूरी तरह से मसूद को दोषी बताना सही नहीं है क्योंकि उन्हें एक कमजोर टीम दी गयी थी। रमीज ने कहा कि बाबर भी इस टीम के साथ बेहतर परिणाम नहीं दे पायेंगे क्योंकि शान जैसी चुनौतियों का सामना उन्हें भी करना पड़ेगा।

भारतीय टीम को विदेशी पिचों के अनुसार भी खेलना सीखना होगा : डोइशे

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा है कि उसे विदेशी हालातों के अनुसार ढ़लना सीखना होगा। डोइशे के अनुसार भारतीय टीम अभी विदेशी पिचों के अनुरुप ढ़ल नहीं पा रही है। इसी कारण उसके बल्लेबाज असफल हो रहे हैं। कोच के अनुसार टीम को अलग-अलग माहौल के अनुकूल अपने को जल्दी ढालने की प्रक्रिया को समझना होगा और उसी को देखते हुए खेलना होगा। डोइशे ने कहा, हमने इस दौरे में अपने को ढालने के बारे में काफी चर्चा की है। यह कहना आसान है कि हमें अनुकूलन करना चाहिए, लेकिन हमें उस प्रक्रिया को समझना होगा कि इसके लिए वास्तव में क्या करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक और मानसिक तौर पर, भारतीय टीम के लिए यह समझना सबसे बड़ी चुनौती है कि हम विदेशी हालात में क्यों अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य की ओर देखने और दो साल बाद आस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए तैयारियों की सलाह दी है क्योंकि वहां उन्हें एक अलग तरह की चुनौती का सामना करना होगा। सहायक कोच ने कहा हमें ऐसी टीम चाहिये जो भारतीय मैदानों के आलावा विदेशी धरती पर भी उसी प्रकार से खेल सके। उन्होंने कहा कि टीम को विदेशी स्थानों पर भी अच्छा खेलना सीखना होगा। इसके लिए केवल टीम को अपनी मानिकता में बदलाव लाना है क्योंकि भारत में जहां सपाट पिच हैं ।

यूपीटी20 सीजन-4 का आयोजन 14 अगस्त से, पहली बार लखनऊ और कानपुर में खेले जाएंगे मुकाबले

कानपुर

उत्तर प्रदेश टी20 लीग (यूपीटी20) के चौथे सीजन का आयोजन 14 अगस्त से 6 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। 24 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 34 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 13 डबल हेडर और 8 सिंगल हेडर मैच दिवस शामिल होंगे। यूपी क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने रविवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की।

इस बार पहली बार यूपीटी20 लीग का आयोजन दो शहरों में होगा। टूर्नामेंट का पहला चरण लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां 13 मैच दिवसों में कुल 22 मुकाबले होंगे। इसके बाद प्रतियोगिता का दूसरा चरण कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां शेष 12 मैच खेले जाएंगे।

लीग का उद्घाटन समारोह और पहला मुकाबला लखनऊ में होगा, जबकि फाइनल और समापन समारोह कानपुर में आयोजित किया जाएगा।

रविवार को हुई यूपीसीए गवर्निंग काउंसिल की बैठक में चौथे सीजन से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। यूपीसीए ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बीसीसीआई उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला का खेलों के विकास में निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

यूपीसीए ने अपने बयान में कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राजीव शुक्ला के प्रोत्साहन से पहली बार यूपीटी20 लीग का आयोजन दो शहरों—लखनऊ और कानपुर—में किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक फैसले का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में क्रिकेट का विस्तार करना, राज्य के खेल बुनियादी ढांचे का बेहतर उपयोग करना और लीग को अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचाना है।

बैठक में टूर्नामेंट के कार्यक्रम, आयोजन स्थल, खिलाड़ी नीलामी, संचालन, प्रतिभा विकास और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। यूपीटी20 सीजन-4 की मिनी नीलामी 24 जुलाई 2026 को आगरा में आयोजित होगी, जिसमें छह फ्रेंचाइजियों के लिए 45 खिलाड़ी स्लाट उपलब्ध रहेंगे।

गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन नीति, खिलाड़ी चयन प्रक्रिया, कैचमेंट एरिया ट्रायल, सपोर्ट स्टाफ चयन दिशा-निर्देश और मिनी आक्शन नियमों को भी मंजूरी दी है, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष रहे।

स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए इस बार भी कैचमेंट एरिया माडल जारी रहेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना लगातार चौथे सीजन में भी यूपीटी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे। वहीं लीग का लोकप्रिय आधिकारिक एंथम खिलाड़ी यहां बनता है भी इस सीजन में जारी रहेगा। खिलाड़ियों और टीमों को प्रोत्साहित करने के लिए इस बार भी कुल 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि रखी गई है। विजेता टीम को 1 करोड़ रुपये, उपविजेता को 60 लाख रुपये, जबकि अन्य बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और टीमों को भी आकर्षक नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। यूपीसीए ने इस बार सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए हर बाउंड्री, एक नई हरियाली अभियान की शुरुआत करने का फैसला किया है। इस पहल के तहत टूर्नामेंट में लगाए जाने वाले हर चौके और हर छक्के पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में एक-एक पौधा लगाया जाएगा।

यूपीसीए का मानना है कि इस अभियान से क्रिकेट का रोमांच पर्यावरण संरक्षण से जुड़ेगा और युवा पीढ़ी को प्रकृति बचाने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

यूपीसीए ने कहा कि उसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के उभरते क्रिकेटरों को राष्ट्रीय स्तर का मंच उपलब्ध कराना और राज्य को देश में क्रिकेट प्रतिभाओं का प्रमुख केंद्र बनाना है। पिछले तीन सफल सीजन के बाद इस बार चौथे संस्करण को लीग का अब तक का सबसे बड़ा, बेहतर और सबसे प्रतिस्पर्धी संस्करण बनाने की तैयारियां जोरों पर हैं।

साल के अंत में नेपाल दौरे पर जाएगी भारत ए टीम

मुम्बई

भारत ए क्रिकेट टीम इस साल के अंत में नेपाल का दौरा करेगी। इस दौरे में भारत एक नेपाल टीम से तीन मैचों की सीरीज खेलेगी इससे नेपाल टीम को काफी लाभ होगा। दोनो ही देशों के क्रिकेट बोर्ड इस दौर को लेकर सहमत हैं। इस दौरे में सभी मुकाबले नेपाल के कीर्तिपुर स्थित त्रिभुवन यूनिवर्सिटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान में खेले जाएंगे।

इस महत्वपूर्ण दौरे को स्काटलैंड के एडिनबर्ग हुए आईसीसी के सालान सम्मेलन के दौरान तय किया गया था।। इस अवसर पर नेपाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष चतुर बहादुर चंद और सचिव पारस खड़का ने भारतीय बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया के साथ मुलाकात की थी, जिसमें दोनों बोर्डों ने सर्वसम्मति से इस सीरीज पर अपनी मुहर लगाई। इससे दोनो देशों के बीच खेल संबंध बेहतर होंगे। सीरीज का पूरा शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है।

पहला टी20 मुकाबला 9 दिसंबर 2026 को होगा, जिसके बाद दूसरा मैच 11 दिसंबर 2026 को और तीसरा व अंतिम मैच 13 दिसंबर 2026 को निर्धारित है। तीनों ही मैच त्रिभुवन यूनिवर्सिटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान में ही खेले जाएंगे, जिससे प्रशंसकों को लगातार तीन दिनों तक रोमांचक क्रिकेट देखने का अवसर मिलेगा। यह सीरीज भारत ए टीम में शामिल होने वाले युवा और उभरते खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर होगा।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन करने वाली युवा प्रतिभाएं और भारतीय सीनियर टी20 टीम में जगह बनाने के इच्छुक दावेदार इस दौरे पर अपने को साबित कर सकते हैं। यह उन्हें अंतरराष्ट्रीय दबाव में प्रदर्शन करने और अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने का अनमोल अनुभव प्रदान करेगा, जिससे उनके भविष्य के करियर को नई दिशा मिलेगी। वहीं, नेपाल की राष्ट्रीय टीम को भी एक मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ खेलने का बहुमूल्य अवसर मिलेगा। यह अनुभव उनके खिलाड़ियों के कौशल और रणनीतिक समझ को निखारने में सहायक होगा, जिससे वे भविष्य की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तैयारी कर सकेंगे।

महिला वॉलीवाल नेशंस लीग

हांगकांग में महिला वालीवाल नेशंस लीग में भाग लेती हुई इटली और चीन की टीमें।

गांगुली और द्रविड़ के कारण संन्यास पर मजबूर हुए थे मांजरेकर

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने समय के एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं पर इसके बाद भी उनका करियर उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। मांजरेकर ने इसके पीछे सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ के छा जाने को बताया है जिसके कारण उन्हें असमय ही संन्यास के लिए मजबूर होना पड़ा है।

मांजरेकर जब भारतीय क्रिकेट में आये थे तब उनकी बल्लेबाजी तकनीक देखकर लोगों को उनमें सुनील गावस्कर की छवि नजर आयी। इस क्रिकेटर को क्रिकेट विरासत में मिला था। उनके पिता विजय मांजरेकर जिन्होंने टीम के दिग्गज बल्लेबाज रहे थे। उन्हें पूरा भरोसा था कि उनका बेटा एक दिन न सिर्फ खेलेगा, बल्कि टीम इंडिया की जर्सी भी पहनेगा जो आंखिरकार सच भी हुआ।

मांजरेकर जब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेले, उनकी पहचान एक तकनीकी रूप से बेहद सक्षम और ठोस बल्लेबाज के तौर पर रही। विशेष रूप से विदेशी पिचों पर उनका रिकार्ड बेहद शानदार और अनुकरणीय था। उनकी इसी लाजवाब बल्लेबाजी तकनीक के कारण साथी खिलाड़ी उन्हें कई बार मिस्टर परफेक्ट कहकर पुकारते थे। हालांकि तब सचिन तेंदुलकर उन्हें अनूठे व्यक्तित्व के कारया मिस्टार डिफरेंट नाम से बुलाते थे।

इतनी क्षमताओं के बाद भी मांजरेकर अपने करियर में वह ऐतिहासिक बुलंदी हासिल नहीं कर पाए जिसकी उनसे उम्मीद थी। इसकी वहज उन्हें साल 2018 में लान्च हुई अपनी आत्मकथा इंपर्फेक्ट में बतायी है। उन्होंने कहा कि द्रविड़ और गांगुली के उभरने से उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया।

मांजरेकर ने अपनी किताब में लिखा कि जब उन्होंने खेल को अलविदा कहने का मन बनाया, तब वे टीम के एक महत्वपूर्ण बल्लेबाज थे और आउट आफ फार्म भी नहीं थे। लेकिन 1996 के ऐतिहासिक इंग्लैंड दौरे ने उनके सोचने का तरीका पूरी तरह बदल दिया। उस दौरे पर द्रविड़ और गांगुली का प्रदर्शन देखकर उन्हें लगा कि अब संन्यास लेन ही सही है। तब वे वे समझ चुके थे कि अब उनका समय पूरा हो गया है और युवाओं के लिए रास्ता छोड़ना ही बेहतर होगा। संन्यास लेने के बाद मांजरेकर ने एक कमेंटेटर के तौर पर अपनी अलग पहचान बनायी। अपनी बेबाक राय के चलते वह कई बार विवादों में भी घिरे। मांजरेकर अपनी किताब में सचिन की आलोचना करने में भी पीछे नहीं रहे। मांजरेकर ने लिखा कि जब सचिन अपने करियर के अंतिम पड़ाव से गुजर रहे थे, तब कई बार उनकी खराब फार्म के बाद भी वह टीम में जमे रहे जिससे उभरत हुए खिलाड़ियों के साथ अन्याय हुआ।

सिर्फ अर्जेंटीना ही नहीं, रेफरी और वीएआर के खिलाफ भी खेलना पड़ा : याकिन

कैनसस सिटी

फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना से 1-3 की हार के बाद स्विट्जरलैंड के मुख्य कोच मुरात याकिन ने रेफरी और वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) के फैसलों पर नाराजगी जताई है। हालांकि उन्होंने टीम के अंतिम आठ तक पहुंचने के प्रदर्शन को सफल अभियान बताया।

रविवार को आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में याकिन के साथ स्विस फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष पीटर क्नाबेल और राष्ट्रीय टीम के निदेशक पियरलुइगी टामी भी मौजूद थे। तीनों ने टीम के प्रदर्शन की सराहना की, लेकिन क्वार्टर फाइनल में मिली हार को निराशाजनक बताया।

मैच में स्विट्जरलैंड ने दूसरे हाफ में बराबरी का गोल किया था, लेकिन उसके कुछ ही देर बाद स्ट्राइकर ब्रील एम्बोलो को वीएआर समीक्षा के बाद सिमुलेशन (डाइव लगाने) के आरोप में दूसरा पीला कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। इसके बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही स्विस टीम पर अर्जेंटीना ने दबाव बनाया और मुकाबला 3-1 से जीत लिया।

हार के बाद याकिन ने रेफरी के फैसलों पर सवाल उठाते हुए कहा, हमने सिर्फ एक शानदार अर्जेंटीना टीम और मौजूदा विश्व चैंपियन के खिलाफ ही नहीं खेला, बल्कि 70 हजार अर्जेंटीना समर्थकों, रेफरी और वीएआर के खिलाफ भी खेलना पड़ा। यह किसी भी टीम के लिए बहुत ज्यादा था। स्वाभाविक है कि इस तरह बाहर होना दर्द देता है।

हालांकि स्विस कोच ने भविष्य को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया। उन्होंने कहा, हमारा सफर यहां खत्म नहीं हुआ है। हमारे पास अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण है। हमने लगातार नई प्रतिभाओं को टीम में शामिल किया है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

अपने भविष्य पर बात करते हुए याकिन ने स्पष्ट किया कि वह टीम के साथ बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे अब भी कोचिंग से उतना ही प्यार है और स्विट्जरलैंड की राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच होना मेरे लिए गर्व की बात है। इस टीम के साथ काम करना मुझे बेहद पसंद है। मेरे मन में किसी दूसरे रास्ते पर जाने का कोई विचार नहीं है।

51 वर्षीय मुरात याकिन पिछले पांच वर्षों से स्विट्जरलैंड के मुख्य कोच हैं और उनके अनुबंध में अभी दो वर्ष बाकी हैं। खिलाड़ी के रूप में वह स्विट्जरलैंड के लिए 49 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। याकिन ने आगे कहा, हम आने वाले अभियानों में भी महत्वाकांक्षी बने रहना चाहते हैं। साथ ही नेशंस लीग जैसे टूर्नामेंट हमें युवा खिलाड़ियों को अवसर देने का बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। अब स्विट्जरलैंड की टीम यूईएफए नेशंस लीग के दूसरे स्तर में खेलेगी। 2024 में रेलीगेट होने के बाद उसका मुकाबला आगामी महीनों में नार्थ मैसेडोनिया, स्काटलैंड और स्लोवेनिया से होगा।